क्रिया (विकारी)

परिभाषा → किसी कार्य का करना या होना क्रिया कहलाता है।

⇒ क्रिया का मूल रूप धातु है। → खाना, पीना, पढ़ना, लिखना, सोना, रोना आदि।

धातु ← लिख + ना → लिखना (क्रिया)
(प्रत्यय)

⇒ धातु में 'ना' प्रत्यय जोड़कर क्रिया का निर्माण किया जाता है।

उदाहरण:

धातु		प्रत्यय		क्रिया
पढ़	+	ना	→	पढ़ना
लिख	+	ना	→	लिखना
जा	+	ना	→	जाना
सो	+	ना	→	सोना
खा	+	ना	→	खाना

→ राम खाना खा रहा है।
→ राम पढ़ रहा है।
→ बच्चा रो रहा है।
(रोना)

Q राजू पढ़ रहा है, वाक्य क्रिया बताओ –
(A) अकर्मक क्रिया (✓)
(B) सकर्मक क्रिया
(C) द्विकर्मक क्रिया
(D) संयुक्त क्रिया

Q राम पत्र लिख रहा है।
(कर्त्ता) (कर्म) (लिखना) (क्रिया)

① क्रिया का विभाजन दो प्रकार से किया जाता है।

(रचना व बनावट के आधार पर कर्म के आधार पर) (दो)
1. अकर्मक
2. सकर्मक

(प्रयोग के आधार पर) (पाँच)
1. प्रेरणा बोधक क्रिया
2. पूर्वकालिक क्रिया
3. सामान्य क्रिया
4. नामधातु क्रिया
5. संयुक्त क्रिया

अकर्मक क्रिया

अ + कर्मक → जिस क्रिया का प्रभाव कर्म पर ना पड़कर सीधा कर्त्ता पर पड़ता है, वहाँ अकर्मक क्रिया होती है।

बिना + कर्म

कर्त्ता + क्रिया
कर्म X

विशेष → इस क्रिया में (क्या, किसे, किसको) का उत्तर नहीं मिलता है।

उदा०- राम खाता है।
बच्चा रोता है।
मोहन सोता है।
मोर नाचता है।
शीला हँसती है।
पक्षी आकाश में उड़ते हैं।
मोहन जा रहा है।

सकर्मक क्रिया

स + कर्मक
साथ कर्म के

→ सकर्मक क्रिया में क्रिया का प्रभाव कर्त्ता पर नहीं पड़ता है, सीधा कर्म पर पड़ता है।

विशेष इस क्रिया के वाक्यों में (क्या, किसे, किसका) उत्तर मिलता है।

उदा०-
1. गगन पत्र लिखता है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)
2. शीला गाना गा रही है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)
3. नीरज आम खाता है।
4. मोहन पाठ पढ़ता है।
5. अध्यापक पढ़ा रहे हैं। → अकर्मक
6. अध्यापक हिंदी पढ़ा रहे हैं। → सकर्मक
7. पिताजी चाय पी रहे हैं।
8. विशाल उपन्यास लिख रहा है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)
9. पंकज समोसे खा रहा है।
(कर्त्ता) (कर्म क्रिया)
10. माताजी खाना बना रही है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)